SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 10

लोकतांत्रिक राजनीति - 2

अध्याय - 1

सत्ता की साझेदारी

Power-sharing

भाग - 1



प्रीतेश जोशी

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लोकतंत्र



शासन

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

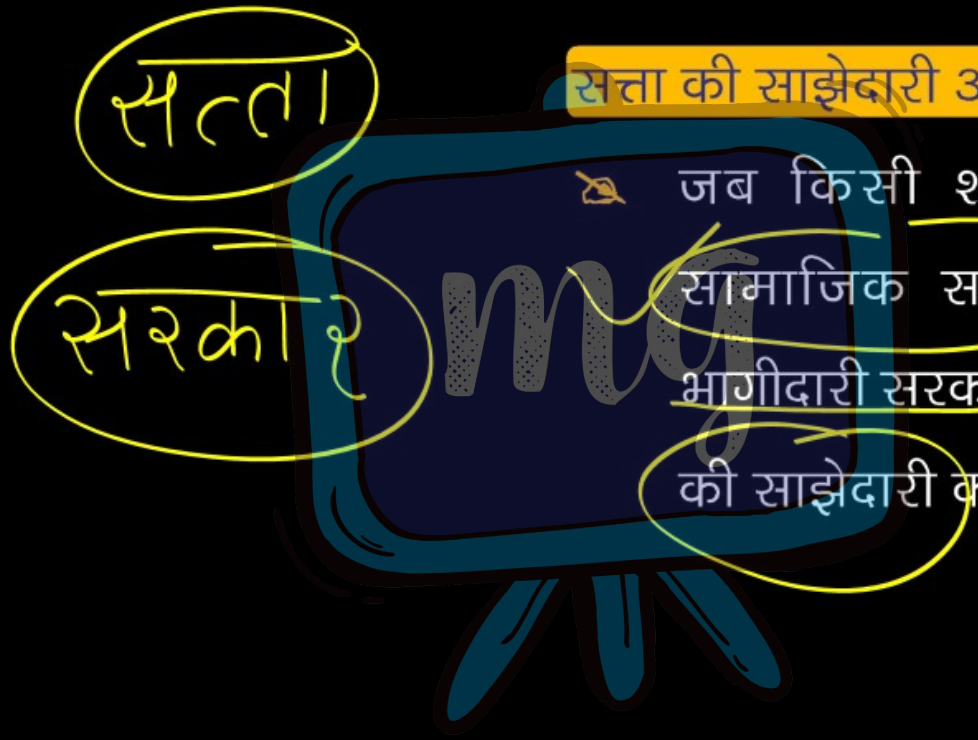

सत्ता की साझेदारी अर्थ :

जब किसी शासन व्यवस्था में हर सामाजिक समूह और समुदाय की भागीदारी सरकार में होती है, तो इसे सत्ता की साझेदारी कहते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



लोकतंत्र का मूलमंत्र है

सत्ता की साझेदारी

- हर लोकतंत्र में सत्ता की भागीदारी आवश्यक होती है।
- लोकतंत्र में हर समुदाय, जाति, और नागरिक का सरकार में हिस्सा होता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सत्ता की साझेदारी लोकतंत्र में आवश्यक है–

इसके दो तर्क है–



(1) युक्तिपरक तर्क	(2) नैतिक तर्क
समझदारी का तर्क (हानियाँ, लाभ के परिणामों पर आधारित)	यह सत्ता के बँटवारे का अन्तर्भूत महत्त्व स्पष्ट करता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

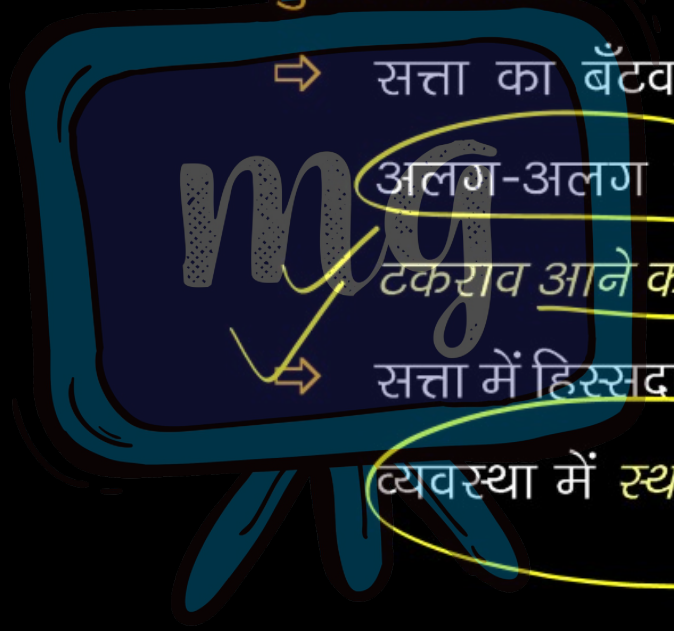

युक्तिपरक तर्क :

- सत्ता का बँटवारा अच्छा है क्योंकि इससे अलग-अलग सामाजिक समूहों के बीच *टकराव आने की संभावना खत्म* हो जाती है।
- सत्ता में हिस्सेदारी से उस देश की राजनीतिक व्यवस्था में *स्थायित्व* बना रहता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नैतिक तर्क :

- सत्ता की साझेदारी *लोकतंत्र की आत्मा* है।
- लोगों की भागीदारी आवश्यक है ताकि लोग *सरकार व शासन से जुड़ाव* व सम्पर्क महसूस कर सके।
- किसी भी देश के *नागरिक का अधिकार* है कि उससे सलाह ली जाए कि शासन, प्रशासन कैसे हो।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



सत्ता की साझेदारी की आवश्यकता :

⇨ समाज में *सौहार्द्र और शांति* बनाए रखने के लिए सत्ता की साझेदारी जरूरी है।

⇨ बहुसंख्यको द्वारा भविष्य में *आतंक* की संभावना का अंतः किसी भी समाज में बहुसंख्यक के आंतक का खतरा बना रहता है। यह आतंक न केवल अल्पसंख्यक समूह को तबाह करता है बल्कि स्वयं बहुसंख्यक समूह को भी तबाह करता है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

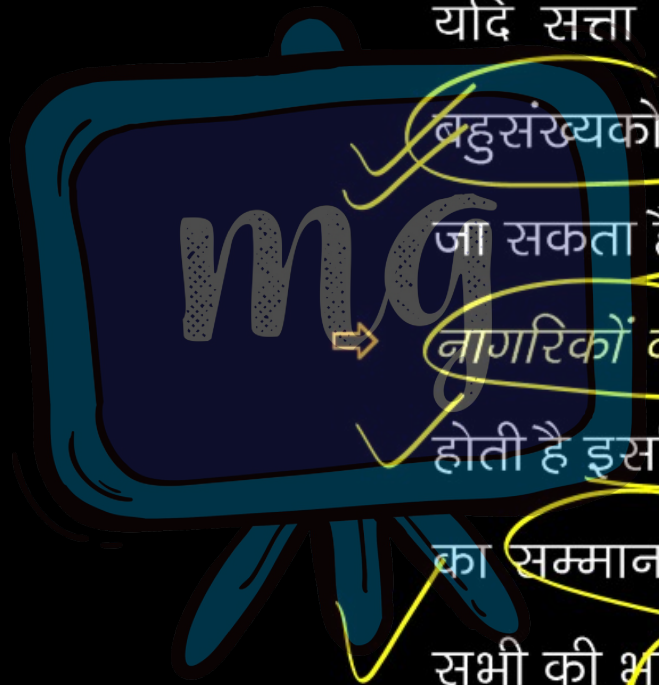

यदि सत्ता में साझेदारी दी जाएगी तो बहुसंख्यको के आंतक से भविष्य में बचा जा सकता है।

⇨ *नागरिकों की आवाज* लोकतंत्र की नींव होती है इसलिए यदि लोकतंत्र की आत्मा का सम्मान बनाए रखना है तो सत्ता में सभी की भागीदारी होनी चाहिए।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



विश्व में कई देशों में *लोकतंत्रात्मक शासन व्यवस्था* हैं।

⇓

⇨ इन सभी देशों में कई प्रकार की *विविधताएँ* भी पायी जाती हैं।

⇨ इन लोकतांत्रिक व्यवस्था वाले देशों में *सामाजिक समूह व जातीय समूहों* की विविधता भी पाई जाती है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

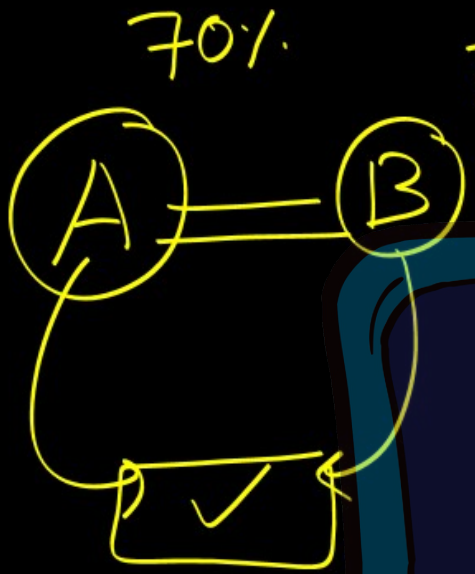

⇨ ये सामाजिक समूह शासन में अपनी भागीदारी अथवा हिस्सेदारी की मांग करते है ताकि इनके हितो के लिए भी नीतियों का निर्माण सरकार द्वारा किया जाए। चाहे वह समूह उस देश में अल्पसंख्यक हो अथवा बहुसंख्यक हो।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- सत्ता में भागीदारी की ऐसी ही मांग *बेल्जियम और श्रीलंका* देश में भी की गई जहां अलग-अलग सामाजिक समूहों के लोग निवास करते है।
- इन विभिन्न सामाजिक समूहों ने वहाँ की *लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी की मांग* की जिससे इन दोनों देशों ने अलग-अलग तरीकों से निपटा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

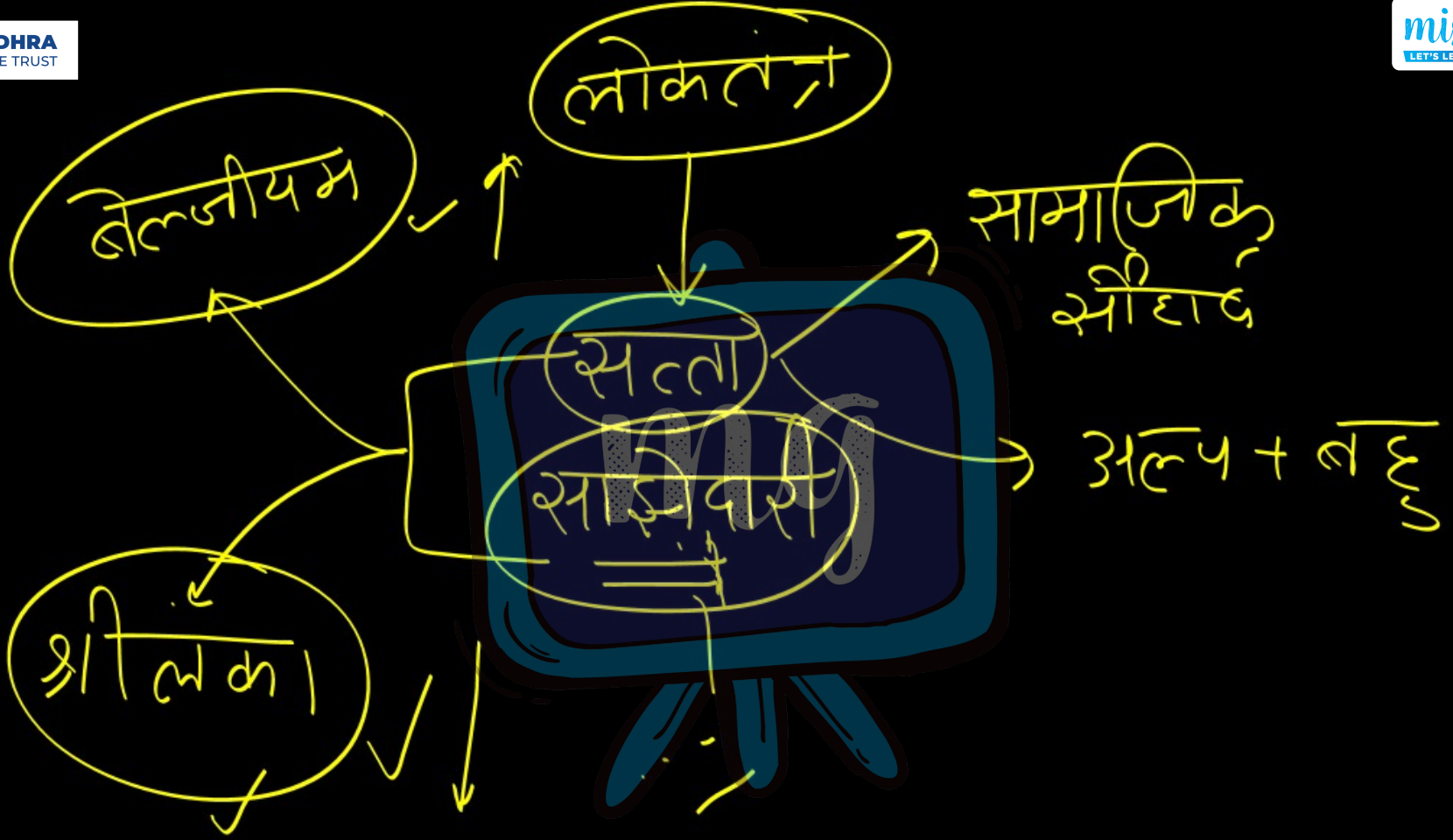

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

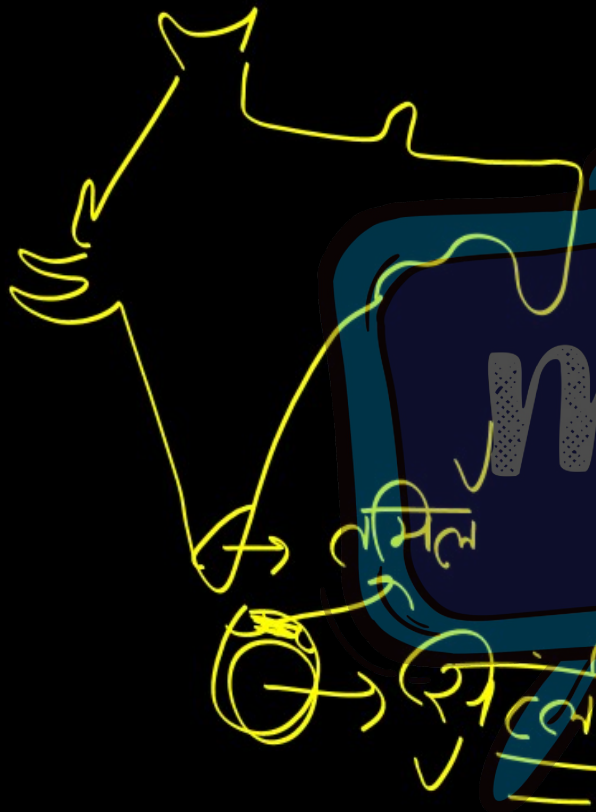

श्रीलंका में बहुसंख्यकवाद :

- श्रीलंका की सामाजिक बनावट में विविधता पायी जाती हैं।
- ⇨ श्रीलंका एक द्वीपीय देश हैं।
- ⇨ आबादी - लगभग दो करोड़ - हरियाणा के बराबर

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

श्रीलंका की आबादी में भी कई जातीय समूहों के लोग हैं।

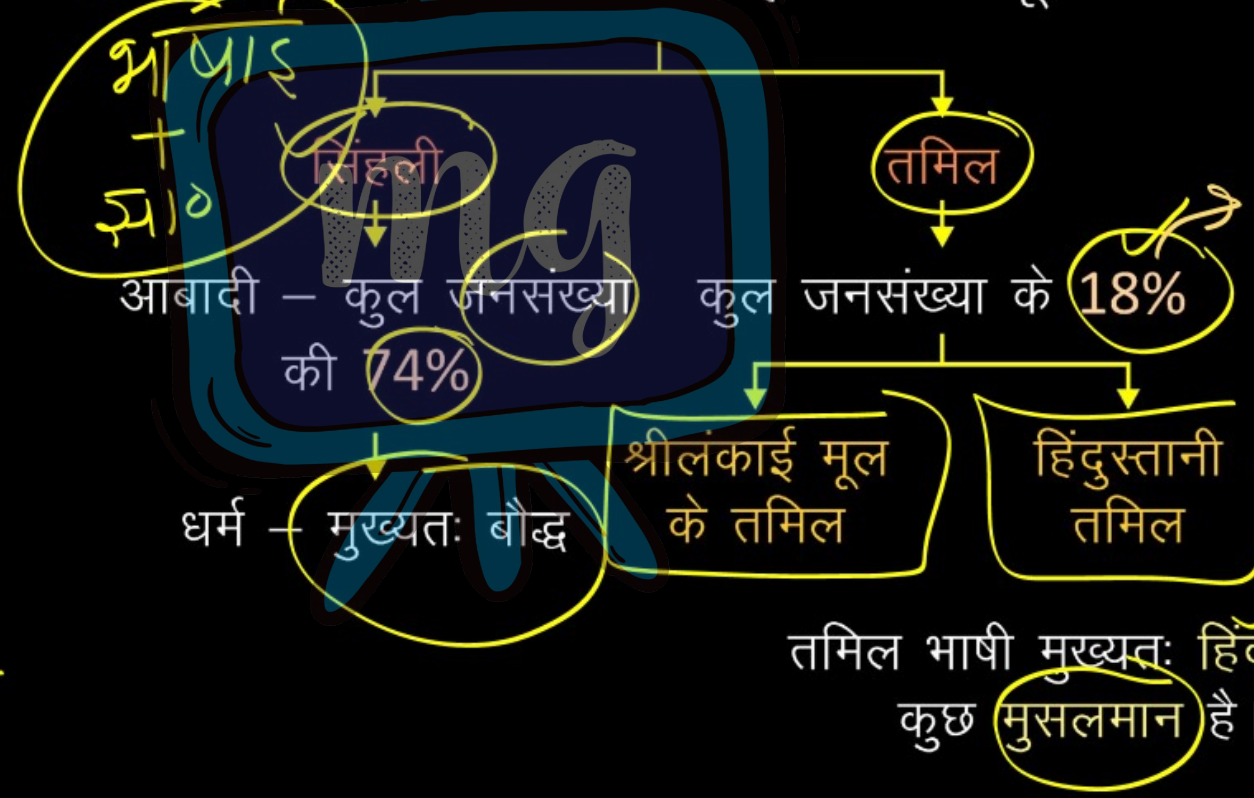

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

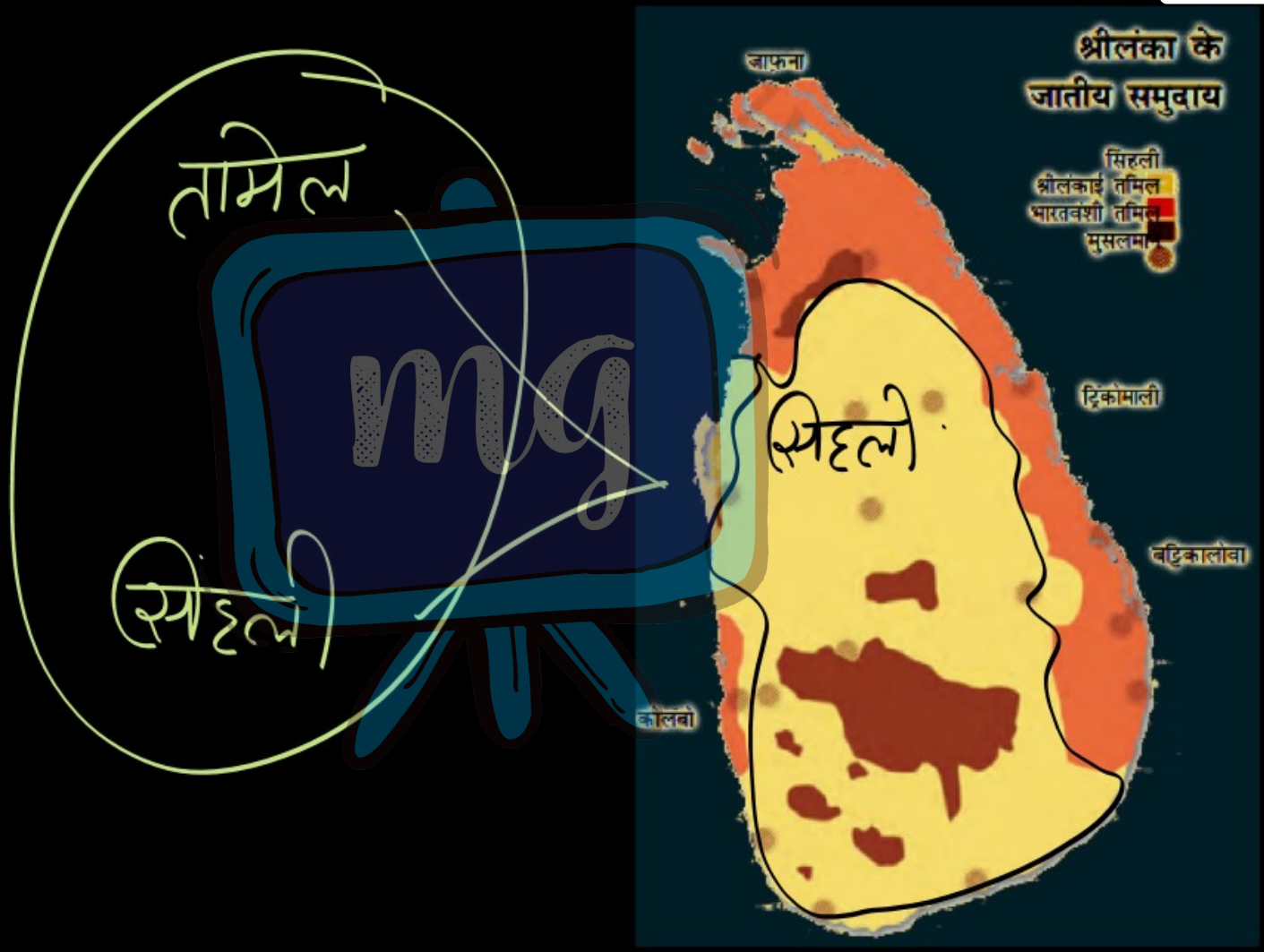

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

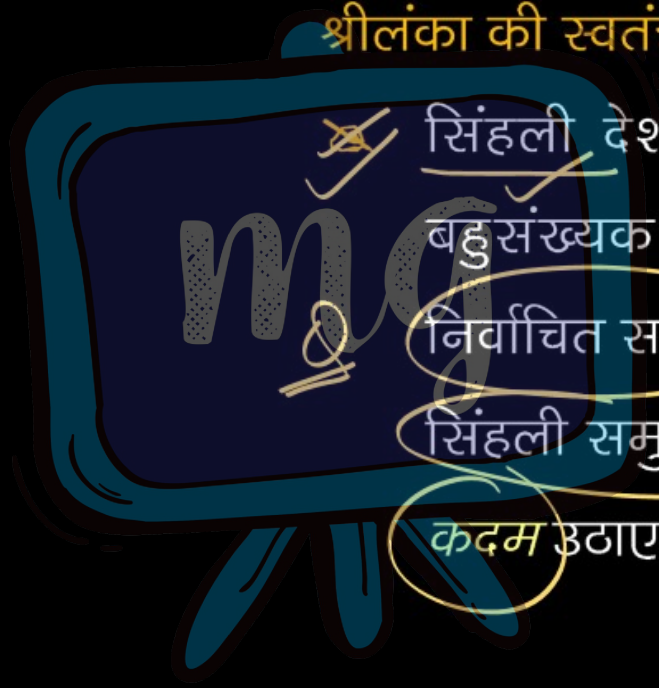

श्रीलंका की स्वतंत्रता - 1948

सिंहली देश की आबादी का 74% है बहुसंख्यक थे। इस वजह से देश की निर्वाचित सरकार ने व सिंहली नेताओं ने सिंहली समुदाय के पक्ष में कई *नीतिगत कदम* उठाए।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



⇨ *1956* में एक कानून बनाकर *"सिंहली भाषा"* को देश की एकमात्र *राजभाषा* घोषित कर दिया गया।

⇨ *विश्वविद्यालयों* और *सरकारी नौकरियों* में सिंहलियों को *प्राथमिकता* की नीति बनाई गई।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



⇨ नए संविधान में यह भी प्रावधान किया गया कि सरकार "बौद्ध मत" को संरक्षण देगी। क्योंकि अधिकतम सिंहली भाषी बौद्ध धर्म को मानने वाले थे।

⇩

इन सभी फैसलों से श्रीलंकाई तमिलों की नाराजगी बढ़ी।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

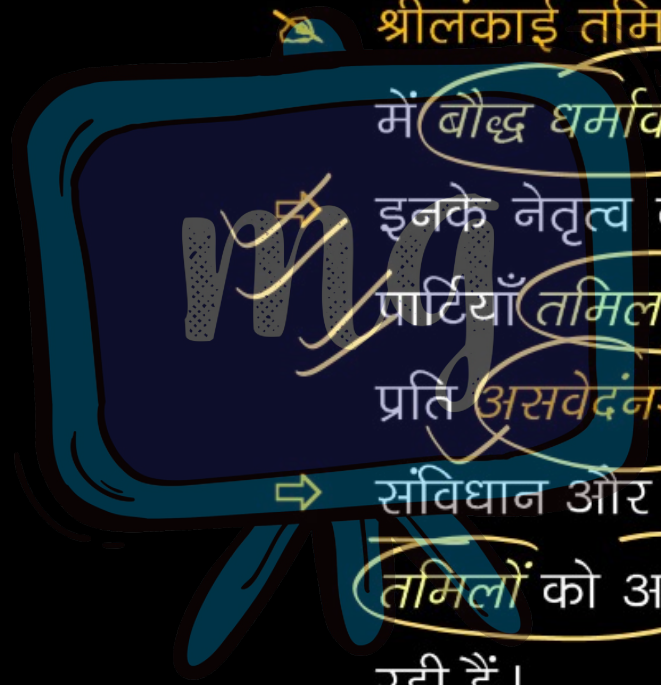

- **श्रीलंकाई तमिलों की मनःस्थिति** - सरकार में *बौद्ध धर्मावलंबी सिंहली भाषी* नेता है।
- इनके नेतृत्व वाली सरकार व राजनीतिक पार्टियाँ *तमिल लोगों की भाषा व संस्कृति* के प्रति *असंवेदनशील* हैं।
- संविधान और सरकार की नीतियाँ दोनों ही *तमिलों* को अपने *अधिकारों से वंचित* कर रही हैं।
- *नौकरियों व अन्य सुधार* कार्यों में उनके प्रति *भेदभाव* अपनाया जा रहा है।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

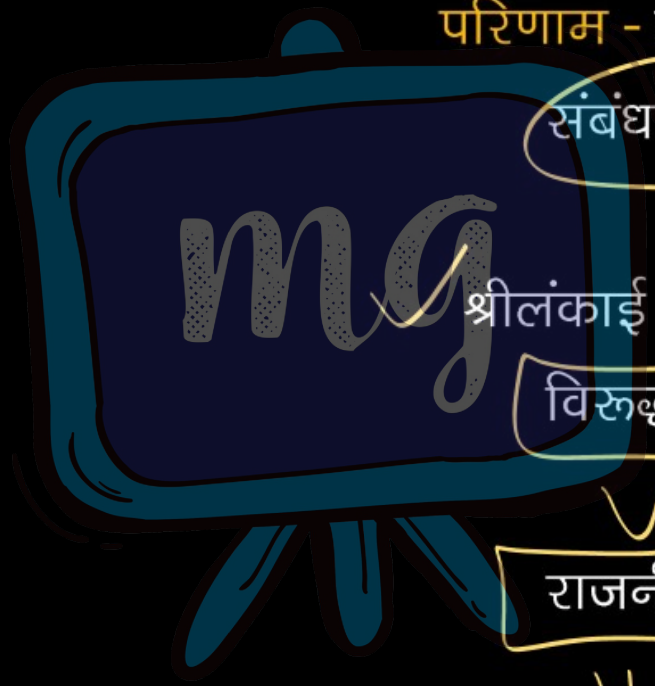

परिणाम - तमिल व सिहंली समुदायों के संबंध बिगड़ते चले गए।

⇩

श्रीलंकाई तमिल इन नीतियों के विरुद्ध संगठित होते हैं।

⇩

राजनीतिक पार्टी का निर्माण

⇩

अपनी मांगो को मनवाने हेतु संघर्ष करते हैं।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

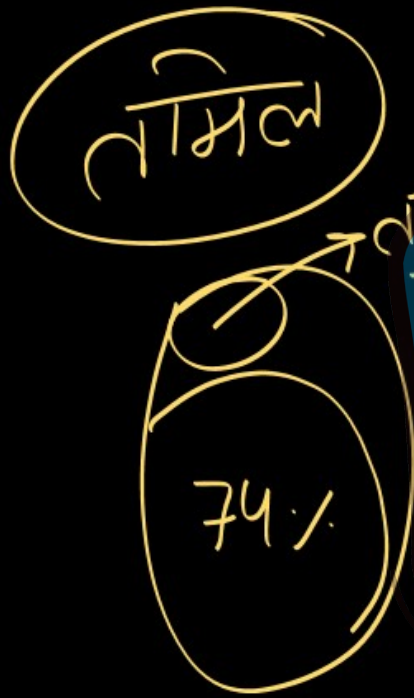

प्रमुख मांगे :

- ⇨ तमिल को राजभाषा बनाना।
- ⇨ क्षेत्रीय स्वायत्तता हासिल करना।
- ⇨ शिक्षा व रोजगार में समान अवसर।

क्षेत्रीय स्वायत्तता की मांग को लेकर अनेक संगठन बने लेकिन इस मांग को हमेशा नकारा गया।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

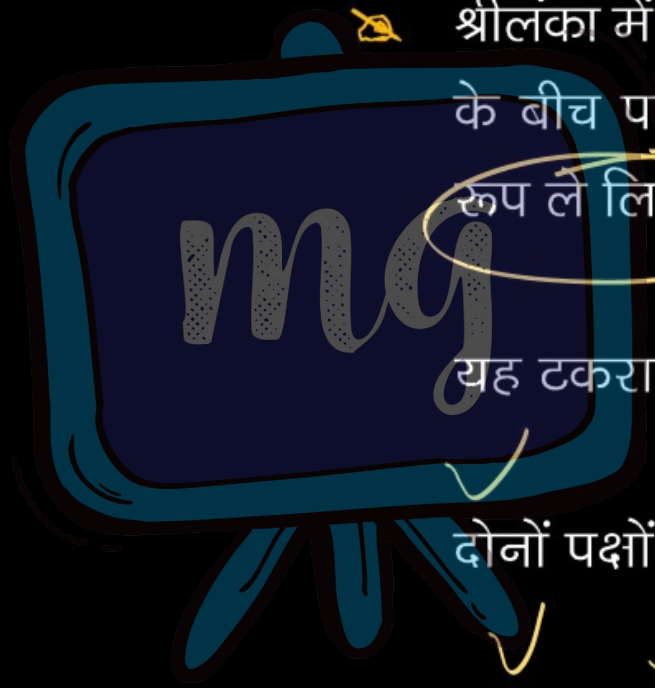

श्रीलंका में *दो समुदायों (सिंहली व तमिल)* के बीच पारस्परिक टकराव ने विकराल रूप ले लिया।

⇓

यह टकराव *गृहयुद्ध* में बदल गया।

⇓

दोनों पक्षों के हजारों लोग मारे गए।

⇓

अनेक परिवारों को दूसरे देशों में शरणार्थी बनना पड़ा।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



कई लोगों की रोजी रोटी चौपट हो गई।

⇓

गृहयुद्ध से देश का *सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक* जीवन अस्त व्यस्त हो गया।

⇓

2009 में यह गृहयुद्ध समाप्त हुआ।

SMT. C.M. MUNDHRA
MEMORIAL CHARITABLE TRUST

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

